

साथ लगाव 7. ताल्लुक 8. नाता 9. नातेदारी, रिश्ता, रिश्तेदारी 10. आपस का मेल जोल, घनिष्ठता 11. विवाह जैसे- पुत्री का संबंध 12. संदर्भ, हवाला व्या. संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जिससे किसी अन्य शब्द के साथ संबंध 13. लगाव या अधिकार सूचित होता है जैसे- श्याम का घर, कर्तृत्व, कार्य-कारण, मूल्य और वस्तु, परिमाण आदि का बोधक शब्द।

**संबंधक** वि. (तत्.) 1. संबंध करने वाला 2. जन्म से या विवाह आदि से हुआ संबंधी, नातेदार, रिश्तेदार 3. मित्र या संपर्क का व्यक्ति 4. उपयुक्त, योग्य।

**संबंधतत्त्व** पुं. (तत्.) व्या. शब्द को पद बनाने के लिए और अर्थ तत्वों का परस्पर संबंध दिखलाने के लिए अर्थतत्त्व में जोड़ा जाने वाला तत्व विशेष जैसे- 'राम ने रावण को बाण से सीता के लिए लंका में मारा' वाक्य में राम, रावण, बाण, सीता और लंका अर्थ तत्व हैं और 'ने', 'को', 'से', 'के लिए' और 'में' संबंध तत्व हैं।

**संबंधातिशयोक्ति** स्त्री. (तत्.) काव्यशास्त्र में, अतिशयोक्ति अलंकार का एक भेद जिसमें स्वाभाविक संबंध न रहने पर भी संबंध दिखाने या अयोग्य में योग्यता दिखाने का चमत्कारी प्रयोग होता है।

**संबंधित** वि. (तत्.) संबंध रखने वाला, संबंध युक्त, संबंधित, विषयक पुं. जिसके साथ रक्त या विवाह आदि का संबंध हो, नातेदार, रिश्तेदार, समधी।

**संबल** पुं. (तत्.) 1. यात्रा में काम आने वाली भोजन-सामग्री, पाथेय, मार्गव्यय 2. वह सामग्री या साधन आदि जिनके भरोसे कोई काम किया जाए।

**संबुद्ध** वि. (तत्.) पूर्णतः जाग्रत, पूर्ण ज्ञान वाला, पूर्ण चेतनायुक्त, जानवान, जागा हुआ, जानी, बुद्धिमान, पूर्णतः जात, जाना हुआ पुं. 1. ज्ञानी 2. महात्मा बुद्ध 3. जैन तीर्थंकर, जिन।

**संबुद्धि** स्त्री. (तत्.) 1. जानकारी, प्रत्यक्ष ज्ञान, बुद्धि, जागृति, पूर्णचेतना, पूर्ण विवेक 2. पुकारना, बुलाना।

**संबुल** पुं. (फा.) 1. बालछड़ नामक वनस्पति 2. जटामासी का पौधा।

**संबेसर** पुं. (देश.) नींद (बसेरा)।

**संबोध** पुं. (तत्.) 1. सम्यक् बोध, पूर्ण ज्ञान 2. अच्छी तरह समझाने की क्रिया या भाव 3. व्याख्या करना, सूचित करना, बतलाना 4. ढाढस 5. भेजना 6. फेंकना 7. नाश, बरबादी 8. हानि 9. प्रक्षेप।

**संबोधक** वि. (तत्.) संबोधन करने वाला, कुछ कहने वाला।

**संबोधन** पुं. (तत्.) 1. व्याख्या करना 2. निर्देश देना 3. सूचित करना 4. सम्यक् बोधन 5. पुकारना 6. भाषण 7. जगाना 8. अभिभाषण 9. कर्ता आदि कारकों में आठवाँ कारक (नाटक) 10. आकाश भाषित।

**संबोधनगीति** स्त्री. (तत्.) काव्य में किसी को संबोधित करके गाए जाने वाले गीत की विधा।

**संबोधि** स्त्री. (तत्.) सम्यक् ज्ञान, पूर्णज्ञान।

**संबोध्य** वि. (तत्.) संबोधित किए जाने वाला।

**संभ** पुं. (तत्.) शंभु।

**संभक्त** वि. (तत्.) 1. विभक्त, बँटा हुआ 2. उपभोग करने वाला 3. भक्ति-भाव रखने वाला, श्रद्धालु।

**संभक्ति** स्त्री. (तत्.) 1. विभाग 2. अधिकार करना 3. हिस्सा लेना 4. उपभोग करना, भक्ति करना, पूजा करना 5. वितरण करना।

**संभक्ष** पुं. (तत्.) 1. साथ-साथ भोजन करना 2. खाद्य-पदार्थ वि. भोजी, खाने वाला।

**संभग्न** वि. (तत्.) 1. छिन्न-भिन्न, तितर-बितर, टूटा-फूटा 2. पराभूत 3. असफल वि. शिव।